इसके अलावा, तीसरी पंचवर्षीय योजना की अवधि में "अपना घर बनाइए" योजना के अन्तर्गत विभिन्न बीमा-पालिसी-धारकों को मकान बनाने के लिए 9.38 लाख रुपये के ऋण और मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड को 40 लाख रुपये के ऋण दिये गये थे।

(ख) चौथी योजना के पहले वर्ष, अर्थात् 1966-67 मे, निगम ने मध्य प्रदेश सरकार की मकानो सम्बन्धी विभिन्न आवश्यकताओ के लिये 85 00 लाख रुपये के ऋण दिये। चौथी योजना की शेष अवधि मे ऋणो सम्बन्धी प्रस्तावो को अभी अन्तिम रूप नही दिया गया है।

Lokur Committee on Scheduled Castes and Scheduled Tribes

4772. **Shri P. R. Thakur:** Will the Minister of **Social Welfare** be pleased to state

(a) whether the Lokur Committee's suggestion that the migrant groups of tribals from Bihar, Orissa and Madhya Pradesh to other areas, particularly, as plantation workers, need not be scheduled, in contrary to the specific recommendation by the Commissioner for Scheduled Castes and Scheduled Tribes in his eighth report,

(b) whether Government propose to undertake a systematic and detailed survey to substantiate the Labour Committee's observation that these migrants have tended to lose their tribal characteristics and improve their economic condition, and

(c) if not, the reasons therefor?

The Minister of State in the Department of Social Welfare (Shrimati Phulrenu Guha): (a) Apparently, there is no basic contradiction, the Commissioner for Scheduled Castes and Scheduled Tribes has recommended that migrant groups should be recognised as Scheduled Castes or Scheduled Tribes as the case may be in the States to which they had migrated, at least for one generation. The bulk of plantation labour migrated to other States several generations ago.

(b) and (c). The whole question of revision of the lists of Scheduled Castes and Scheduled Tribes is now under consideration. Final decisions in the matter will be taken after considering all aspects of the matter.

दिल्ली में चिकित्सा प्रशिक्षण केन्द्र

4773. श्री राम सिंह अयरवाल :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) राजधानी मे ऐसे कितने स्कूल है जिनमे चिकित्सा शास्त्र पढ़ाया जाता है और नर्सों, भण्डार-रक्षण (स्टोरकीपिंग) तथा औषधयोजन (डिस्पेंसिंग) के व्यवसायो मे प्रशिक्षण दिया जाता है,

(ख) उनमे से पृथक्-पृथक सरकारी और गैर-सरकारी स्कूल कितने है,

(ग) पिछले तीन वर्षों मे कितने व्यक्तियो ने प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा क्या उन सब को दिल्ली मे रोजगार मिल गया है, और

(घ) पिछले तीन वर्षों मे गैर-सरकारी चिकित्सा प्रशिक्षण केन्द्रो को कितनी सरकारी सहायता दी गई ?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री (डा० श्रीपति चन्द्रशेखर) : (क) और (ख). दिल्ली मे कोई मेडिकल स्कूल नही।

चिकित्सा तथा परा-चिकित्सा शास्त्रो में प्रशिक्षण 11 सरकारी तथा सरकार सहायित सस्थानो मे दिया जाता है। कोई निजी सस्थान चिकित्सा शास्त्र में प्रशिक्षण नही देता।

नर्सिंग का प्रशिक्षण 14 सस्थानो में दिया जाता है। इनमे से 8 संस्थान सरकारी